

अंक-योजना
पूरी तरह से गोपनीय
(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2024
विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड 29/4/1--3)

Series S4PQR/4

सामान्य निर्देश:-

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस 'X' अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'—इस नोट के साथ काट दिया जाए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात् प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- <ul style="list-style-type: none"> • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तियों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश' में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/4/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series S4PQR/4

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/4 /1 प्रश्न सं.	29/4 /2 प्रश्न सं.	29/4 /3 प्रश्न सं.		
1	1	2	1	<p style="text-align: center;">खंड -अ (वस्तुपरक प्रश्न)</p> <p>अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (C) मन, वचन, कर्म से एक होकर कार्य करने से ।</p> <p>(ii) (D) केवल एक व्यक्ति बड़ा काम करने में सक्षम नहीं है।</p> <p>(iii) (A) एकता का महत्त्व समझाने के लिए ।</p> <p>(iv) (C) सागर</p> <p>(v) (B) वीरों की गति रुक जाती है ।</p> <p>(vi) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।</p> <p>(vii) (B) एकजुट होकर काम करने से बड़े से बड़ा काम संभव हो सकता है ।</p> <p>(viii) (B) महाभारत युद्ध</p> <p>(ix) (C) घर का भेदिया</p> <p>(x) (D) पूरी पृथ्वी ही एक परिवार की तरह है ।</p>	10 x 1=10

2	2	1	3	<p>अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (B) मृत्युपर्यंत सहानुभूति दिखाने वाली</p> <p>(ii) (A) सांत्वना देना</p> <p>(iii) (B) अपमान, भूख से पीड़ित आगे बढ़ने की इच्छा वालों को</p> <p>(iv) (C) निष्पक्षता</p> <p>(v) (A) कथन (1) और (2) सही हैं ।</p> <p>(vi) (C) अनेक विषयों से संबंध रखने वाला</p> <p>(vii) (B) निर्भयता</p> <p>(viii) (D) दुःसाहस न कर चुप रहने का</p>	8x1= 8
3	3	4	2	<p>अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (C) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा है ।</p> <p>(ii) (A) राजनीतिक</p> <p>(iii) (A) क्या, कौन, कब तथा कहाँ को आधार बनाकर ।</p> <p>(iv) (D) संपादकीय</p> <p>(v) (C) विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों, समस्याओं का विश्लेषण</p>	5 x 1=5
4	4	3	4	<p>पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (B) जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए नज़र आते हैं ।</p> <p>(ii) (D) भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और महिमा का</p> <p>(iii) (C) सूरज ने भारतवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बना दिया ।</p> <p>(iv) (C) भारत में अनजान लोगों की भी सहायता की जाती है।</p> <p>(v) (A) दक्षिण दिशा से आने वाली सुगंधित हवा</p>	5 x 1=5
5	5	6	5	<p>पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (B) अंधविश्वास</p> <p>(ii) (C) बेवकूफी</p>	5 x 1=5

				<p>(iii) (D) वैदिक काल में</p> <p>(iv) (C) लोक-जीवन में व्याप्त अंधविश्वासों और मान्यताओं पर चोट करने के लिए।</p> <p>(v) (D) आज का कम भी कल के अधिक से अच्छा है।</p>	
6	6	5	6	<p>पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--</p> <p>(i) (B) रुपयों की पोटली जल जाने का</p> <p>(ii) (D) छोटा-मोटा मुनाफा</p> <p>(iii) (B) माँ का दूध पीना छुड़ा दिया गया।</p> <p>(iv) (D) दोनों में बच्चों के प्रति ममता, सुरक्षा और सतर्कता की भावना है।</p> <p>(v) (A) ठुमरी</p> <p>(vi) (A) ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य</p> <p>(vii) (B) तालाब बनवाये—बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाईं।</p>	7 x 1=7
7	7	7	7	<p style="text-align: center;">खंड -ब</p> <p style="text-align: center;">(वर्णनात्मक प्रश्न)</p> <p>किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--</p> <p>विषय-वस्तु – 3 अंक</p> <p>भाषा – 1 अंक</p> <p>प्रस्तुति – 1 अंक</p>	5
8	8		9	<p>(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)</p> <p>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --</p> <p>(क) (2+1)</p> <ul style="list-style-type: none"> • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बिंब रूप धारण करना • कुछ खास शब्दों से मन में कुछ चित्रों का कौंध जाना • स्मृति-चित्रों का शब्दों के माध्यम से कविता का बिंब निर्मित करना • उदाहरण—सुमित्रानंदन पंत की कविता – 	2 x 3=6

				<p>“तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ – विधवाएँ जप-ध्यान में मगन” में बगुले का आकार और सफेदी – विधवाओं के घुटे सिर, श्वेत वस्त्र एकाकार होना (कोई भी अन्य उचित उदाहरण स्वीकार्य)</p>	
				<p>(ख) (2+1)</p> <ul style="list-style-type: none"> • नाटक—दृश्य विधा, मंचीयता का गुण • समय का बंधन होने के कारण • भूत या भविष्य की घटनाओं को वर्तमान में ही संयोजित करने के कारण • नाटक का आँखों के समक्ष घटित होने के कारण <p>नाटक के तत्त्व—कथानक, संवाद, पात्र और चरित्र- चित्रण, देशकाल और वातावरण, अभिनेयता (कोई दो तत्त्व)</p>	
				<p>(ग) (1+2)</p> <ul style="list-style-type: none"> • कहानी –किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा, जिसमें परिवेश, द्वन्द्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास, चरम-उत्कर्ष का बिंदु हो • लोकप्रियता—मानव की सहज-स्वाभाविक वृत्ति होने के कारण जीवन का अविभाज्य अंग, धर्मप्रचारकों द्वारा अपने सिद्धांत और विचार लोगों तक पहुँचाने तथा शिक्षा देने का माध्यम होने के कारण 	
		8		<p>(क) (1+2)</p> <ul style="list-style-type: none"> • कहानी –किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा, जिसमें परिवेश, द्वन्द्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास, चरम-उत्कर्ष का बिंदु हो • लोकप्रियता—मानव की सहज-स्वाभाविक वृत्ति होने के कारण जीवन का अविभाज्य अंग, धर्मप्रचारकों द्वारा अपने सिद्धांत और विचार लोगों तक पहुँचाने तथा शिक्षा देने का माध्यम होने के कारण 	

			<p>(ख) (2+1)</p> <ul style="list-style-type: none"> • नाटक—दृश्य विधा, मंचीयता का गुण • समय का बंधन होने के कारण • भूत या भविष्य की घटनाओं को वर्तमान में ही संयोजित करने के कारण • नाटक का आँखों के समक्ष घटित होने के कारण <p>नाटक के तत्त्व—कथानक, संवाद, पात्र और चरित्र- चित्रण, देशकाल और वातावरण, अभिनेयता (कोई दो तत्त्व)</p> <p>(ग) (2+1)</p> <ul style="list-style-type: none"> • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बिंब रूप धारण करना • कुछ खास शब्दों से मन में कुछ चित्रों का कौंध जाना • स्मृति-चित्रों का शब्दों के माध्यम से कविता का बिंब निर्मित करना • उदाहरण—सुमित्रानंदन पंत की कविता – “तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ – विधवाएँ जप-ध्यान में मगन” में बगुले का आकार और सफेदी – विधवाओं के घुटे सिर, श्वेत वस्त्र एकाकार होना (कोई भी अन्य उचित उदाहरण स्वीकार्य) 	
9	9		<p>प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --</p> <p>(क)</p> <p>खूबियाँ –</p> <ul style="list-style-type: none"> • तत्काल सूचनाओं की उपलब्धता • दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का तत्काल लाभ • तीव्रता से समाचार प्राप्ति • समाचार का तत्काल सत्यापन और पुष्टि • संवादों के तत्काल आदान-प्रदान का स्रोत • औजार के रूप में प्रयुक्त <p>कमियाँ –</p> <ul style="list-style-type: none"> • अनवरत प्रयोग की लत के बुरे परिणाम 	2 x 3=6

				<ul style="list-style-type: none"> • शारीरिक गतिविधियों से कट जाना • अश्लीलता और दुष्प्रचार का कारण • महंगा और अधिक खर्चीला • गरीब और अनपढ़ों के लिए अनुपयोगी 	
		9		<p>(ख)</p> <ul style="list-style-type: none"> • साफ-सुथरी और टंकित कापी हो • अंकों को शब्दों में लिखा जाए • आँकड़ों तथा संख्याओं का प्रयोग कम • केवल प्रचलित शब्दों के संक्षिप्ताक्षर का प्रयोग • पृष्ठ के अंत में अधूरे वाक्य का प्रयोग नहीं <p>(क)</p> <ul style="list-style-type: none"> • देखने और सुनने का सबसे सशक्त और जीवंत माध्यम • कम से कम शब्दों में अधिक व तत्काल खबर देने का माध्यम • दृश्य होने के कारण अधिक प्रामाणिक, खबरों की पुष्टि संभव • मनोरंजन और ज्ञानवर्धन का उत्तम साधन • पूरे विश्व के समाचार घर बैठे उपलब्ध • धनी, निर्धन, अशिक्षित सभी प्रकार के लोग लाभान्वित <p>(ख)</p> <ul style="list-style-type: none"> • भाषा के व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • शब्द -सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का ध्यान • लेखन और प्रकाशन के बीच की गलतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता 	
		8		<p>(क)</p> <ul style="list-style-type: none"> • फ्लैश/ ब्रेकिंग न्यूज • ड्राई एंकर • फोन-इन • एंकर-विजुअल • एंकर-बाइट • लाइव • एंकर-पैकेज <p>(किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन)</p>	

			<p>(ख)• भाषा के व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान</p> <ul style="list-style-type: none"> • शब्द -सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का ध्यान • लेखन और प्रकाशन के बीच की गलतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता 	
10	10	10	<p>पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--</p> <p>(क)• वर्षों से गंगा के प्रति आस्था, श्रद्धा, विश्वास, भक्ति और विरक्ति में कोई अंतर न आना</p> <ul style="list-style-type: none"> • आधुनिकता का प्रवेश होने पर भी बनारस शहर की आध्यात्मिकता और भव्यता आज भी विद्यमान <p>(ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना</p> <ul style="list-style-type: none"> • नष्ट होने के बोध से मुक्ति • जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता <p>(ग) • अशोक वृक्ष पर बैठी चिड़िया के कूकने के स्वर से</p> <ul style="list-style-type: none"> • वृक्षों के पीले पत्ते झड़ने और पैर के नीचे आने की चुरमुर् ध्वनि से • अपेक्षाकृत गर्म हवा का तेजी से आकर चले जाना <p>(क) • आध्यात्मिक लय का शहर</p> <ul style="list-style-type: none"> • आधुनिक होते हुए भी आधुनिकता से बेखबर • शहर की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान • गंगा के साथ आस्था, श्रद्धा, विश्वास और विरक्ति • गंगा और गंगा में बँधी नाव, एक ओर मंदिरों-घाटों पर जलने वाले दीप तो दूसरी तरफ कभी न बुझने वाली चिताग्नि • हवन इत्यादि से उठने वाला धुआँ, गंगा के सान्निध्य से मोक्ष की अवधारणा से जुड़े लोग <p>(ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना</p> <ul style="list-style-type: none"> • नष्ट होने के बोध से मुक्ति 	2 x 2=4

			10	<ul style="list-style-type: none"> • जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता (ग) • बाल-मनोविज्ञान का प्रथम परिचय • हर व्यक्ति का अपना-अपना दृष्टिकोण • बच्चे का यथार्थ को अपने ढंग से देखना • बालक का अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होना (क) • मोहल्लों की तरफ से उठती धूल के बवंडर से • घाटों पर बढ़ती तीर्थ यात्रियों की भीड़ से • याचकों के चेहरे और आँखों की चमक से • बंदरों की आँखों की नमी से (ख) • गीत की सार्थकता मनुष्यों से जो उसे गाएँ • मोती की सार्थकता पनडुब्बा से जो उसे समुद्र से बाहर लाए (ग) • आधुनिक मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूटना • ऋतु-परिवर्तन की जानकारी अनुभूति की बजाय कैलेंडर से • आधुनिक जीवन-शैली की व्यस्तता के कारण मनुष्य का प्रकृति के नैसर्गिक सौंदर्य से दूर होना 	
11	11	12	11	<p>किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--</p> <p>संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम)</p> <p>प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध)</p> <p>व्याख्या – 3 अंक</p> <p>विशेष – 1 अंक</p> <p>(क) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता – सरोज-स्मृति अथवा</p> <p>(ख) कवि—तुलसीदास कविता – भरत-राम का प्रेम</p> <p>(क) कवि—तुलसीदास कविता – भरत-राम का प्रेम</p>	6

				अथवा	
				(ख) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता – सरोज-स्मृति	
12	12	11		<p>गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--</p> <p>(क)• उनके भावी अंधकारमय भविष्य की कल्पना करके</p> <ul style="list-style-type: none"> • अपने मूल परिवेश को छोड़, आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी के कारण विस्थापितों का-सा जीवन व्यतीत करने की विवशता की आशंका से • गन्दी बस्तियों में रहने की भयावहता से <p>(ख) संवदिया की भूमिका निभाने संबंधी प्रश्न पर विद्यार्थियों का मुक्त उत्तर स्वीकार्य</p> <p>(ग)• विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता से संघर्षरत</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्वावलंबी होना • चापलूसी न करना • निर्भीक बने रहना • मन पर नियंत्रण रखना • झूठी प्रशंसा न करना • अंधविश्वास से दूर रहना • दुःख और सुख के प्रति समभाव • अपराजेय जीवनी-शक्ति <p>(कोई दो बिंदु स्वीकार्य)</p> <p>(क)• सुख और दुःख मन के ही विकल्प अर्थात एक ही सिक्के के दो पहलू, सुख या दुःख मन की सोच पर आधारित</p> <ul style="list-style-type: none"> • एक ही परिस्थिति मन के अनुरूप होने पर सुख, प्रतिकूल होने पर दुःख <p>(ख)• भेदभाव रहित आतिथ्य सत्कार</p> <ul style="list-style-type: none"> • विनम्रता और सरलता • 'अतिथि देवो भव' की भावना • सेवाभाव 	2 x 2=4

			<p>12</p> <p>(ग) • विश्वास जीत लेने पर प्रमाण की महत्ता का गौण हो जाना</p> <ul style="list-style-type: none"> • शेर की हिंसक प्रवृत्ति से परिचित होने के बावजूद शेर द्वारा स्वयं को सहअस्तित्ववादी और अहिंसावादी बताकर विश्वास जीत लेने से बिना प्रमाण माँगे उसके मुँह में जानवरों का बेझिझक प्रवेश करते चले जाना <p>(क)• औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में घर-बार हमेशा के लिए उजड़ जाना जबकि प्राकृतिक आपदा के कारण विस्थापन में बाढ़, भूकंप आदि के कारण लोगों का घर-बार छोड़कर कुछ समय के लिए बाहर जाना और मुसीबत टलने पर पुनः अपने स्थान पर वापस आ जाना</p> <ul style="list-style-type: none"> • घातक क्यों – औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य का ही न उखड़ना बल्कि उसका परिवेश, संस्कृति और आवास-स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाना <p>(ख)• विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता से संघर्षरत</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्वावलंबी होना • दुरंत जीवन-शक्ति • निर्भीक बने रहना • मन पर नियंत्रण रखना • जिजीविषा का गुण • दुःख और सुख के प्रति समभाव <p>(कोई दो बिंदु स्वीकार्य)</p> <p>(ग)• अराफ़ात द्वारा लेखक और उनकी पत्नी का स्वागत करना</p> <ul style="list-style-type: none"> • अराफ़ात का स्वयं फल छीलकर उन्हें खिलाना • शहद की चाय बनाकर पिलाना • गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े होना <p>(किन्हीं दो घटनाओं का उल्लेख स्वीकार्य)</p>	
13			<p>किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --</p> <p>संदर्भ – 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम)</p> <p>प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध)</p> <p>व्याख्या – 3 अंक</p> <p>विशेष – 1 अंक</p>	6

	13			<p>(क) पाठ-- प्रेमघन की छाया स्मृति लेखक – रामचंद्र शुक्ल अथवा</p> <p>(ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (बालक बच गया) लेखक– पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी</p>	
		13		<p>(क) पाठ –संवदिया लेखक –फणीश्वरनाथ 'रेणु' अथवा</p> <p>(ख) पाठ –गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात लेखक –भीष्म साहनी</p>	
			14	<p>(क) पाठ –साझा (लघु कथाएँ) लेखक – असगर वजाहत अथवा</p> <p>(ख) पाठ –जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा</p>	
14	14	14	13	<p>किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--</p> <p>(क) • क्षमाभाव तथा मानवीय मूल्यों में विश्वास • पुनर्निर्माण में विश्वास • अहिंसात्मक प्रवृत्ति • सकारात्मक सोच अथवा</p> <p>(ख) (2+1)</p> <ul style="list-style-type: none"> • माँ और बच्चे के बीच अनुपम और अटूट संबंध • माँ और बच्चे के सम्बन्ध का बयान सेस-सारद द्वारा भी असंभव • निश्छल और सर्वोत्कृष्ट संबंध <p>क्यों --</p> <ul style="list-style-type: none"> • माँ से निरंतर शारीरिक, मानसिक व भावात्मक रूप से जुड़े रहना 	3

				<ul style="list-style-type: none">• माँ द्वारा स्वयं कष्ट सह कर भी बच्चे की सुरक्षा करना और बच्चे का माँ के संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित महसूस करना	
--	--	--	--	--	--